05 नवम्बर 2018

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

आप सभी को SMC की ओर से धनतेरस और दीपावली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

smc

Moneywise. Be wise.

प्रमुख खबरें

- एमसीएक्स और एनसीडीईएक्स में 7 नवम्बर को दिवाली के दिन सभी कमोडिटीज में मुहूर्त ट्रेडिंग सायं 5:30 से 6:30 बजे तक होगी ।
- अमेरिकी कृषि विभाग के विदेशी कृषि सेवा के अनुसार 2018-19(अगस्त-जुलाई) में भारत में कपास का उत्पादन 36.5 मिलियन बेल होने का अनुमान है जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 2% कम होगा ।
- एक्सिस सिक्योरिटीज ने एनसीडीईएक्स में कमोडिटी डेरिवेटिव्स में कारोबार करना शुरू कर दिया है।
- भारतीय चीनी मिल संगठन ने भारत में 2018-19 में चीनी का उत्पादन 355 लाख टन के पिछले अनुमान की तुलना में 11.26% कम करके 315 लाख टन होने का अनुमान लगाया है।
- भारत की प्रमुख खनन कंपनी वेदांता लि. ने दूसरी तिमाही में कुल मुनाफे में 34% की गिरावट दर्ज की है ।
- अक्टूबर महीने में अमेरिकी कंज्यूमर कंफिडेंस 18 वर्षो के उच्च स्तर पर पहुंच गया है।
- अमेरिकी ऊर्जा विभाग के अनुसार अगस्त में अमेरिकी कच्चे तेल का उत्पादन भी 416000 बैरल/दिन बढ़कर रिकॉर्ड 11.346 मिलियन बैरल/दिन हो गया है।
- चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया ने पिछले महीने ईरान से 1.13 मिलियन बैरल/दिन तेल का आयात किया है जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 40.9% कम है।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	26.10.18	01.11.18	बदलाव (%)
जीरा	19,570.00	20,420.00	4.34%
कैस्टर सीड	5,486.00	5,720.00	4.27%
मक्का रबी	1,448.00	1,492.00	3.04%
सोयाबीन	3,270.00	3,363.00	2.84%
धनिया	5,786.00	5,932.00	2.52%

MCX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	26.10.18	01.11.18	बदलाव (%)
कैस्टर सीड	5370.00	5620.00	4.66%
मेंथा ऑयल	1798.60	1820.20	1.20%
नेचुरल गैस	235.80	237.80	0.85%
सीपीओ	568.20	571.30	0.55%
चांदी माइक्रो	38757.00	38817.00	0.15%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	26.10.18	01.11.18	बदलाव (%)
ग्वारगम	10,315.00	9,934.00	-3.69%
ग्वारसीड	4,713.50	4,551.00	-3.45%
कॉटनऑयलसीडकेक	1,872.50	1,810.00	-3.34%
आर एम सीड	4,196.00	4,095.00	-2.41%
काली मिर्च	40,690.00	39,895.00	-1.95%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	26.10.18	01.11.18	बदलाव (%)
कच्चा तेल मिनी	4951.00	4660.00	-5.88%
जिंक	197.70	188.65	-4.58%
लेड मिनी	146.80	143.25	-2.42%
एल्युमीनियम मिनी	147.05	144.70	-1.60%
आरबीडी पॉमोलीन	662.00	656.00	-0.91%

साप्ताहिक समीक्षा

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट से सीआरबी इंडेक्स में बिकवाली का दबाव पड़ा, जिसके कारण 200 के स्तर से नीचे आ गया । अक्टूबर महीने में विश्व शेयर बाजार में भारी गिरावट के बाद गुरूवार को नवम्बर महीने की शुरूआत तेजी के साथ हुई । कॉरपोरेट की कमाई के बेहतर नतीजों और अमेरिका-चीन के बीच व्यापार मुद्दों के समाधान होने की उम्मीद से विश्व शेयर बाजार को मदद मिली । इससे डॉलर इंडेक्स में बिकवाली हुई जो पिछले हफ्ते फरवरी 2017 के बाद सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। उच्च स्तर पर मुनाफा वसूली से डॉलर इंडेक्स 96.28 से नीचे आ गया। 4 नवम्बर से अमेरिकी प्रतिबंध के कारण ईरान की ओर से तेल सप्लाई में कमी की भरपायी विश्व के तीन बड़े उत्पादक देशों में रिकॉर्ड तेल उत्पादन से होने से कीमतों में भारी गिरावट हुई । अक्टूबर के प्रारंभ से ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में 12% से अधिक की गिरावट हुई है जबकि डब्ल्यूटीआई कच्चे तेल की कीमतों में 13% से अधिक की गिरावट हुई। अमेरिकी कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ ही रूस और सउदी अरब भी ईरान से तेल सप्लाई में कमी की भरपायी करने के लिए उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सहमत हो गए है। पिछले चार हफ्ते से तेल की कीमतों में हुई गिरावट से एमसीएक्स में कुल 1000 रू की गिरावट हुई है और कीमतें 4600 रू के नजदीक पहुंच गई हैं। इसके अतिरिक्त भारत और दक्षिण कोरिया दोनों देशों का अमेरिका से करार हो गया है कि वे इस हफ्ते के अंत के बाद भी ईरान से कुछ तेल का आयात कर सकते हैं। अमेरिकी नेचुरल गैस के भंडार में अनुमान से कम बढ़ोतरी से कीमतें रेजिस्टेंस स्तर को पार करने की कोशिश की । जाड़े के दिनों में कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है लेकिन भंडार में कम बढ़ोतरी से कीमतें उच्चतम स्तर पर पहुंच सकती हैं। डॉलर के कमजोर होने के बावजूद निवेशकों के सुरक्षित निवेश के अन्य विकल्पों की ओर जाने से सोने की कीमतों में 2% की बढ़त दर्ज की गई । अमेरिका में 6 नवम्बर को मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक दल की संभावित जीत के मुकाबले हेज के रूप में कुछ निवेशक सोने में निवेश कर रहे हैं। चांदी की कीमतें तेजी के रूझान के साथ एक दायरे में रही लेकिन भारत में रूपये के मजबूत होने के कारण दोनों ही कमोडिटीज की कीमतों में गिरावट हुई । आईएसएम मैनुफैक्चरिंग के अनुमान से कमजोर रहने से बेस मेटल की कीमतों में गिरावट हुई, फिर भी सप्ताह के अंत तक गिरावट कुछ कम हो गई ।

कृषि कमोडिटीज में, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुस्त कारोबार के कारण कॉटन वायदा पर बिकवाली का दबाव पड़ा । हाजिर बाजारों में तूर और उड़द की कीमतों में बढ़ोतरी से चना की कीमतों को मदद मिली । ग्वारसीड और ग्वारगम की कीमतें उच्च स्तर पर बरकरार नही रह सकी और उच्च स्तर से भारी गिरावट हुई। त्योहारी मांग के कारण मसालों की कीमतों में तेजी रही । तिलहन में, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी के रूझान पर सोयाबीन की कीमतों में बढ़त दर्ज की गई जबकि स्टॉक छोड़ने और चीन द्वारा सरसोंमील के आयात के अत्यंत सख्त मानकों के कारण सरसों की कीमतों में गिरावट हुई। सीपीओ की कीमतें एक दायरे में रहीं जबकि रिफाइंड सोया तेल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी हुई ।

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	25.10.18	01.11.18	(%)
जौ	जयपुर	1910.40	1904.35	-0.32
धनिया	कोटा	5656.25	5728.15	1.27
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	656.00	650.00	-0.91
गुड़	मुजफ्फरनगर	1206.85	1129.20	-6.43
ग्वारसीड	जोधपुर	4706.65	4565.20	-3.01
ग्वारगम	जोधपुर	10221.10	9891.35	-3.23
जीरा	ऊंझा	19967.80	20320.00	1.76
सरसों	जयपुर	4335.35	4289.35	-1.06
काली मिर्च मलाबार गार्बल्ड	कोच्ची	40066.60	39746.10	-0.80
कच्चा जूट	कोलकाता	4402.85	4406.65	0.09
सोयाबीन	इंदौर	3258.00	3311.00	1.63
हल्दी	निजामाबाद	6941.30	7077.25	1.96
चीनी	कोलकाता	3504.75	3409.50	-2.72
गेहूँ	दिल्ली	2050.00	2056.20	0.30
कॉटन	कडी	22301.75	22158.30	-0.64
कॉटन आयॅलसीड केक	अकोला	1785.85	1743.00	-2.40

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	25.10.18 क्वांटिटी	01.11.18 क्वांटिटी	अंतर
जौ	मी.टन	2090	1980	-110
कैस्टर सीड	मी.टन	20619	24277	3658
चना	मी.टन	27908	27677	-231
धनिया	मी.टन	8180	5950	-2230
कॉटनसीडकेक	मी.टन	14212	15401	1189
ग्वारगम	मी.टन	11042	13939	2897
ग्वारसीड	मी.टन	2514	2663	149
जीरा न्यू	मी.टन	3351	2988	-363
मक्का	मी.टन	11386	12757	1371
आरएमसीड	मी.टन	39030	63301	24271
हल्दी	मी.टन	521	521	0
गेहूँ	मी.टन	973	973	0

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	25.10.18 क्वांटिटी	31.10.18 क्वांटिटी	अंतर
पीतल	मी.टन	1.93	2.89	0.96
इलायची	मी.टन	0.00	2.50	2.50
कॉटन	बेल	0.00	1600.00	1600.00
सोना	किग्रा	56.00	56.00	0.00
सोना मिनी	किग्रा	38.70	38.70	0.00
सोना गिनी	किग्रा	6.45	4.75	-1.70
मेंथा ऑयल	किग्रा	745695.20	752167.20	6472.00
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	42849.15	39926.63	-2922.52

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	26.10.18	01.11.18	बदलाव(%)
सोयाबीन	CBOT	नवम्बर	8.45	8.69	2.84
सोया तेल	CBOT	दिसम्बर	28.16	28.32	0.57
सीपीओ	BMD	दिसम्बर	2148.00	2144.00	-0.19
कॉटन	ICE	दिसम्बर	78.53	79.03	0.64

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	26.10.18	01.11.18	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	3 माह	1961.00	1961.00	0.00
तांबा	LME	3 माह	6159.00	6070.00	-1.45
लेड	LME	3 माह	1982.00	1933.00	-2.47
निकल	LME	3 माह	11835.00	11555.00	-2.37
जिंक	LME	3 माह	2686.00	2585.00	-3.76
सोना	COMEX	दिसम्बर	1235.80	1238.60	0.23
चांदी	COMEX	दिसम्बर	14.70	14.78	0.54
लाइट क्रूड	NYMEX	दिसम्बर	67.59	63.69	-5.77
नेचुरल गैस	NYMEX	दिसम्बर	3.19	3.24	1.73

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 25.10.18 को	स्टॉक की स्थिति 01.11.18 को	अंतर
एल्युमीनियम	1052025	1047950	-4075
तांबा	152225	137625	-14600
निकल	219366	218862	-504
लेड	113125	113250	125
जिंक	161200	151025	-10175

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	सोयाबीन	दिसम्बर	3407.00	01.11.18	तेजी	3407.00	3348.00	-	3315.00
NCDEX	जीरा	दिसम्बर	20840.00	30.10.18	तेजी	20640.00	20150.00	-	19810.00
NCDEX	रिफाइंड सोयातेल	दिसम्बर	759.35	01.11.18	साइडवेज	759.35	748.00	765.00	-
NCDEX	आरएमसीड	दिसम्बर	4176.00	22.10.18	तेजी	4219.00	4150.00	-	4130.00
NCDEX	चना	दिसम्बर	4040.00	01.11.18	साइडवेज	4040.00	3950.00	4150.00	-
NCDEX	ग्वारसीड	दिसम्बर	4634.50	01.11.18	साइडवेज	4634.50	4520.00	4732.00	-
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	दिसम्बर	1810.00	09.10.18	तेजी	1722.50	1796.00	-	1766.00
NCDEX	कैस्टर	दिसम्बर	5802.00	22.10.18	तेजी	5372.00	5600.00	-	5500.00
MCX	सीपीओ	नवम्बर	571.30	24.10.18	मंदी	585.40	-	576.00	586.00
MCX	मेंथाऑयल	नवम्बर	1820.20	23.10.18	तेजी	1772.90	1760.00	-	1730.00
MCX	चांदी	दिसम्बर	38771.00	29.10.18	साइडवेज	38285.00	37800.00	39200.00	-
MCX	सोना	दिसम्बर	31892.00	01.11.18	साइडवेज	31892.00	31450.00	32100.00	-
MCX	तांबा	नवम्बर	440.75	25.10.18	मंदी	447.80	-	451.00	454.00
MCX	लेड	नवम्बर	143.30	23.10.18	मंदी	147.80	-	146.00	148.00
MCX	जिंक	नवम्बर	188.65	30.10.18	मंदी	190.40	-	196.00	198.00
MCX	निकल	नवम्बर	867.00	24.10.18	मंदी	900.70	-	895.00	912.00
MCX	एल्युमीनियम	नवम्बर	144.70	05.10.18	मंदी	157.70	-	147.20	149.50
MCX	कच्चा तेल	नवम्बर	4662.00	10.10.18	मंदी	5454.00	-	4800.00	4900.00
MCX	नेचुरल गैस	नवम्बर	237.80	25.10.18	साइडवेज	240.00	228.00	246.00	-

*02.11.18 का बंद भाव

टेक्निकल सुझाव

लेड (नवम्बर) एमसीएक्स

लेड (नवम्बर) एमसीएक्स

एमसीएक्स में लेड (नवम्बर) कॉन्ट्रैक्ट 01 नवम्बर 2018 को 143.30 रू पर बंद हुआ। 15 अक्टूबर 2018 को कॉन्ट्रैक्ट 156.85 रू के उच्च स्तर पर था और 31 अक्टूबर 2018 को 140.40 रू के निचले स्तर पर था।

दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 46.32 है। 149.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 140.00 रू के टारगेट के लिए 146.00 रू के स्तर पर बिकवाली की जा सकती है।

नेचुरल गैस (नवम्बर) एमसीएक्स

नेचुरल गैस (नवम्बर) एमसीएक्स

एमसीएक्स में नेचुरल गैस (नवम्बर) कॉन्ट्रैक्ट 01 नवम्बर 2018 को 237.80 रू पर बंद हुआ। 10 अक्टूबर 2018 को कॉन्ट्रैक्ट 254.30 रू के उच्च स्तर पर था 14 सितम्बर 2018 को 206.40 रू के निचले स्तर पर था ।

दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 46.74 है। 239.50 रू के स्टॉपलॉस के साथ 227.50 रू के टारगेट के लिए 235.50 रू से नीचे बिकवाली की जा सकती है।

चना (दिसम्बर) एनसीडीईएक्स

चना (दिसम्बर) एनसीडीईएक्स

एनसीडीईएक्स में चना (दिसम्बर) कॉन्ट्रैक्ट 01 नवम्बर 2018 को 4040.00 रू पर बंद हुआ। 04 अक्टूबर 2018 को कॉन्ट्रैक्ट 4275.00 रू के उच्च स्तर पर था और 30 अगस्त 2018 को 3971.00 रू के निचले स्तर पर था।

दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 50.29 है। 3970.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 4120.00 रू के टारगेट के लिए 4020.00 रू के स्तर पर खरीददारी की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

तिलहन एवं खाद्य तेल

सोयाबीन वायदा(दिसम्बर) की कीमतों में लगातार तीसरे हफ्ते तेजी रहने की संभावना है और कीमतें 3365 के स्तर पर सपोर्ट के साथ 3500 रू तक बढ़त दर्ज कर सकती है । कारोबारियों और पेराई मिलों की ओर से लगातार मांग के कारण देश के प्रमुख हाजिर बाजारों में तिलहन की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। विश्व बाजार में भारतीय सोयामील के निर्यात में बढ़ोतरी की उम्मीद से निर्यातक सोयाबीन की खरीददारी कर रहे हैं जबकि बेहतर मुनाफे की उम्मीद से स्टॉकिस्ट भी खरीददारी कर रहे हैं। कारोबारियों को उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में हाजिर बाजारों में सोयाबीन की कीमतें 3500 रू के स्तर पर पार कर जाएगी और इसलिए थोक खरीददारी हो रही है। सरसों वायदा(दिसम्बर) में बिकवाली का दबाव बरकरार रहने की संभावना है और भारत से चीन को सरसोंमील के निर्यात की संभावना काफी कम होने के कारण कीमतें 4100-4080 रू तक लुढ़क सकती हैं। सोया और पॉम तेलों की सस्ती उपलब्धता के कारण सरसों तेल की मांग कम होने से पेराई मिलों की ओर से सरसों की मांग काफी कम हो गई है। घरेलू और विदेशी खरीददारों की ओर से सरसोंमील की मांग में भी सुस्ती रहने की संभावना है। उपभोक्ता केन्द्रों की ओर से प्रोसेस्ड उत्पादों की मांग काफी कम होने से सरसों की पेराई में भी इस महीने गिरावट होने की संभावना है। सीपीओ(नवम्बर) वायदा में नरमी का रूझान रहने की संभावना है और कीमतें 555-550 रू तक लुढ़क सकती है। जाड़े के दिनों में पॉम तेल के जम जाने से मांग कम होने और मलेशियन पॉम ऑयल में नरमी के रूझान से कीमतों पर दबाव रह सकता है। मलेशियन पॉम ऑयल की कीमतों में 2009-2122 रिंगिंट के सपोर्ट स्तर तक गिरावट हो सकती है।

मसाले

हल्दी वायदा (दिसम्बर) की कीमतों में नरमी का रूझान रहने की संभावना है और कीमतों में प्रत्येक बढ़ोतरी के बाद 6900 के नजदीक रेजिस्टेंस के साथ बिकवाली का दबाव दर्ज किया जा सकता है। मौजूदा सीजन में हल्दी का उत्पादन 20% अधिक होने का अनुमान है क्योंकि किसानों ने इरोद में मक्का और महाराष्ट्र में गन्ने जैसी अलाभकारी फसलों के स्थान पर हल्दी की खेती करना पसंद किया, जिससे हल्दी के उत्पादन क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई। हल्दी की लंबी जीवन अवधि और दवाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने के कारण भी किसानों ने हल्दी के उत्पादन क्षेत्र में बढ़ोतरी की । इसके दिसम्बर हल्दी की नयी फसल की आवक शुरू होने की संभावना से कारोबारी लांग पोजिशन नही ले रहे हैं। कम उत्पादन क्षेत्र की आशंका और दिवाली के लिए मांग में बढ़ोतरी होने की संभावना से जीरा वायदा(दिसम्बर) की कीमतों के तेजी के रूझान रहने की संभावना है और कीमतें 22000 रू के स्तर पर पहुंच सकती है। इसके अतिरिक्त जीरे का कैरीओवर स्टॉक 200000-300000 बैग (1 बैग 55 किग्रा का) रहने का अनुमान है जो 500000 बैग के अनुमान से कम है। नयी फसल की आवक फरवरी में शुरू होगी । तबतक के लिए जीरे की उपलब्धता कम होने के कारण कीमतों को मदद मिल सकती है। धनिया वायदा(दिसम्बर) की कीमतों में 6480 रू तक बढ़त जारी रह सकती हैं। सूत्रों के अनुसार राजस्थान और गुजरात में इस वर्ष बुआई में 30% तक कमी हो सकती है। विश्व स्तर पर यूक्रेन, बुल्गारिया और रूस में इस वर्ष धनिया का उत्पादन लगभग आधा होने का अनुमान है। इसे देखते हुए विश्व स्तर पर धनिया का उत्पदन 40% कम होने का अनुमान है।

अन्य कमोडिटीज

कॉटन वायदा (नवम्बर) कीमतों की कीमतों में 22300 रू के स्तर पर सपोर्ट के साथ 23000 रू तक उछाल दर्ज की जा सकती है। कम उत्पादन अनुमान और अमेरिकी बाजार में तेजी के रूझान के साथ ही निर्यातकों की ओर से बेहतर खरीददारी और विदेशी खरीददारों की ओर से अधिक मांग के कारण कीमतों को मदद मिल सकती है। आईसीई में कॉटन वायदा की कीमतों में तेजी रह सकती है और कीमतें 81 सेंट के स्तर पर पहुंच सकती है। डॉलर के कमजोर होने अमेरिका और चीन को नवम्बर के अंत में होने वाले जी-20 की बैठक तक व्यापार के मुद्दों का समाधान करने लेने की उम्मीद के कारण कीमतों को मदद मिल सकती है। घरेलू बाजार में मिलें भी तेजी से कपास की खरीददारी कर रही है क्योंकि उनका स्टॉक समाप्त हो रहा है। मिलों ने पिछले 30-45 दिनों में कपास की कम उपलब्धता और अधिक कीमतों के कारण कोई बड़ी खरीददारी नही की है । लेकिन अब वे ताबड़तोड़ खरीददारी कर रही हैं। ग्वारसीड वायदा(दिसम्बर) की कीमतें यदि साप्ताहिक सपोर्ट स्तर 4580 रू से नीचे टूटती है तो 4500-4400 रू तक गिरावट हो सकती है। वैश्विक वितीय बाजार और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से विश्व बाजार में ग्वारगम की मांग बाधित हो रही है। अमेरिकी कच्चे तेल की सप्लाई में बढ़ोतरी होने से संकेत से तेल की कीमतें छह महीने से अधिक के निचले स्तर पर पहुंच गई हैं। चना वायदा (दिसम्बर) की कीमतों के 3930-4150 रू के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। नॉफेड द्वारा मौजूदा दरों में चना स्टॉक की बाजार में बिकवाली और बेसन मिलों द्वारा चना की कम खरीददारी के जाने के कारण चना की कीमतों की बढ़त पर रोक लग सकती है।

सर्राफा

सर्राफा की कीमतों के साइडवेज रहने की संभावना है। घरेलू बाजार में रूपये के मजबूत होने से उच्च स्तर पर मुनाफा वसूली हो सकती है। सोने की कीमतों को 32300 रू के नजदीक रेजिस्टेंस और 31200 के नजदीक सपोर्ट रह सकता है जबकि चांदी की कीमतों को 39500 रू के नजदीक रेजिस्टेंस और 37700 के नजदीक सपोर्ट रह सकता है। घरेलू रूपये में भी थोड़ी मजबूती से घरेलू बाजार में सोने की कीमतों की बढ़त पर रोक लग सकती है। रूपया 72 के स्तर तक मजबूत हो सकता है। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और डॉलर के थोड़ा कमजोर से रूपये की मजबूती जारी रह सकती है। अमेरिका में 6 नवम्बर को मध्यावधि चुनाव से सर्राफा बाजार पर सीधा असर पड़ सकता है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता के साथ ही विश्व स्तर पर बढ़ती आर्थिक अनिश्चितता सोना और चांदी बाजार को मदद मिल सकती है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार तीसरी तिमाही में विश्व स्तर पर सोने की मांग पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में थोड़ी बढ़ी है क्योंकि केन्द्रीय बैंकों और रिटेल उपभोक्ताओं की ओर से खरीददारी में तेजी आयी है। काउंसिल के अनुसार 2018 में भारत में सोने की मांग में पिछले वर्ष की तुलना में गिरावट होने की संभावना है क्योंकि घरेलू बाजार में कीमतों के पांच वर्षो के उच्च स्तर पर पहुंचने के कारण दिसम्बर तिमाही में त्योहारों के दौरान सोने की खरीददारी बाधित हुई है। इस हफ्ते दिवाली और धनतेरस का त्योहार है जो सोने की खरीददारी के लिए काफी शुभ माना जाता है। इसबीच सितम्बर तिमाही में विश्व स्तर पर सोने की मांग 964 टन रही है जो वर्ष-दर-वर्ष 6% अधिक है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी बरकरार रहने की संभावना है। अमेरिकी प्रतिबंध के कारण ईरान की ओर से तेल सप्लाई में कमी की भरपायी विश्व के तीन बड़े उत्पादक देशों में रिकॉर्ड तेल उत्पादन से होने से कीमतों पर दबाव बना रह सकता है। कच्चे तेल की कीमतों को 4500 पर सपोर्ट और 4900 के स्तर पर रेजिस्टेंस रह सकता है। अक्टूबर में ओपेक का तेल उत्पादन 2016 के बाद सबसे अधिक 33.31 मिलियन बैरल/दिन हो गया है, जो सितम्बर की तुलना में 390000 बैरल/दिन अधिक है और जनवरी 2017 में तेल उत्पादन में कटौती शुरू किए जाने से ठीक पहले दिसम्बर 2016 के बाद सबसे अधिक उत्पादन है। लीबिया ने जून से बंद पड़े अपने तीन तेल उत्पादन क्षेत्रों से फिर से उत्पादन शुरू कर दिया है और प्रतिदिन 10000 बैरल अधिक तेल का उत्पादन कर रहा है। इसबीच अगस्त में अमेरिकी कच्चे तेल का उत्पादन भी 416000 बैरल/दिन बढ़कर रिकॉर्ड 11.346 मिलियन बैरल/दिन हो गया है। एक अन्य आंकड़ें के अनुसार सितम्बर में चीन ने ईरान से 2.13 मिलियन टन कच्चे तेल का आयात किया है जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 3.22 मिलियन टन की तुलना में 34% कम है। नेचुरल गैस वायदा की कीमतों के साइडवेज रहने की संभावना है और उच्च स्तर पर मुनाफा वसूली हो सकती है। कीमतों को 225 के स्तर पर सपोर्ट और 245 के स्तर पर रेजिस्टेंस रह सकता है। अमेरिकी नेचुरल गैस के भंडार में अनुमान के अनुकूल बढ़ोतरी के कारण अमेरिकी नेचुरल गैस वायदा की कीमतों में हाल ही में गिरावट हुई है। अमेरिकी ऊर्जा विभाग के अनुसार 26 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में अमेरिकी नेचुरल गैस का भंडार 48 बिलियन क्यूबिक फीट बढ़ा है।

बेस मेटल

बेस मेटल की कीमतों के साइडवेज रहने की संभावना है। तांबें और निकल की कीमतों को निचले स्तर पर सपोर्ट मिल सकता है। चीन का कैक्सिन/मार्किट पीएमआई सितम्बर के 50.0 से बढ़कर अक्टूबर में 50.1 हो गया है लेकिन निर्यात ऑर्डर में लगातार कमी से पता चलता है कि अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध का असर पड़ रहा है। चीन और अमेरिका दोनों के राष्ट्रपतियों ने नवम्बर में अर्जेंटिना में होने वाली बैठक से पहले व्यापार युद्ध का समाधान कर लिए जाने की उम्मीद जतायी है। तांबें की कीमतों के एक दायरे में रहने की संभावना है और कीमतों को 425 के स्तर पर सपोर्ट और 465 के नजदीक रेजिस्टेंस रह सकता है। रूस की नोर्स्क निकल की चीन की सीमा के पास स्थित बीस्ट्रीन्स्की खदान से उत्पादन तीसरी तिमाही में बढ़ा है। लेड की कीमतों के साइडवेज रहने की संभावना है और कीमतों को 139 के नजदीक सपोर्ट और 150 के नजदीक रेजिस्टेंस रह सकता है। एल्युमीनियम की कीमतों को 140 के नजदीक सपोर्ट रह सकता है और 153 के नजदीक रेजिस्टेंस रह सकता है। जापान की प्रमुख एल्युमीनियम रॉलिंग कंपनी सप्लाई करने वाली सूची से रूसल को अमेरिकी प्रतिबंध की अनिश्चितता के कारण अगले वर्ष से हटा रही है । जिंक की कीमतों को 182 के नजदीक सपोर्ट रह सकता है और 200 के नजदीक रेजिस्टेंस रह सकता है। इंटरनेशनल जिंक स्टडी ग्रुप के अनुसार खदानों से जिंक की सप्लाई में बढ़ोतरी होने के बावजूद अगले वर्ष में विश्व रिफाइंड बाजार में सप्लाई में कमी बनी रह सकती है। निकल की कीमतों को 840 पर सपोर्ट और 890 के स्तर पर रेजिस्टेंस रहने की संभावना है। प्रमुख खनन कंपनी ग्लनेकोर के अनुसार सीमित सप्लाई और अधिक मांग के कारण निकल बाजार में कमी बनी रहने के बयान के बाद निकल की कीमतों में उछाल दर्ज की गई ।

डायमंड (हीरा) वायदा.....हेजिंग टूल का बढ़ता वॉल्यूम

भारतीय कमोडिटी एक्सचेंज (ICEX) ने निर्यातकों को हेजिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अगस्त 2017 में विश्व का पहला हीरा वायदा कारोबार शुरू किया था। लेकिन 1 सितम्बर को 438 लाख रू से अधिक के टर्नओवर के साथ 13650 लॉट के कम वॉल्यूम में कारोबार की शुरूआत करने के बाद 31 अक्टूबर 2018 को अब तक के सबसे अधिक वॉल्यूम 261266 लॉट, जिसकी वैल्यू 9694.44 लाख रू है, के साथ कारोबार करने लगा है। यह डायमंड के कारोबारियों और निवेशकों के लिए एक सकारात्मक रूझान है, जो सोने और चांदी के अलावा अन्य कीमती धातुओं को अपने पोर्टफोलियो में शामिल करना चाहते हैं।

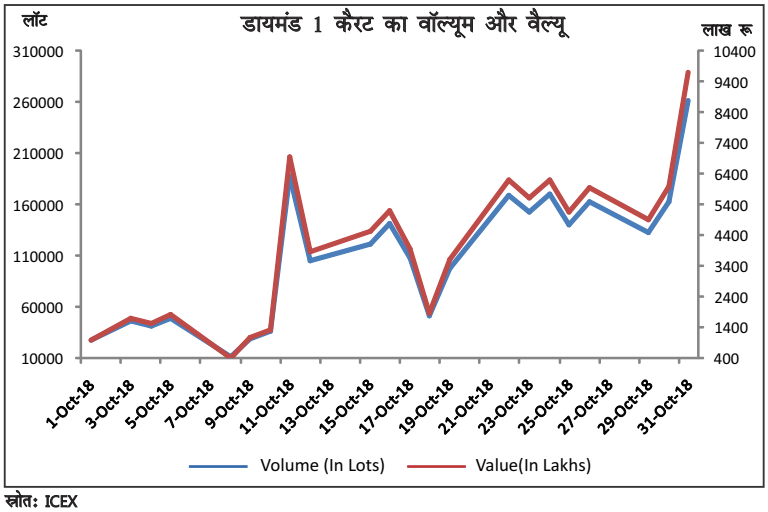

स्रोतः ICEX

यह भी देखा गया है कि वर्तमान समय में ICEX में डायमंड वायदा रूपये के कारोबार के नक्शेकदम पर कारोबार कर रहा है क्योंकि एक्सचेंज ने हेज करने वालों और निवेशकों से फीडबैक मिलने के बाद कॉन्ट्रैक्ट का टिक साइज 0.50 रू/सेंट से कम करके कर 0.05 रू/सेंट कर दिया है।

हीरे की वैश्विक स्थिति

हीरे की प्रमुख खदाने बोत्सवाना, जिम्बाबवे, नामिबिया, दक्षिण अफ्रीका, अंगोला, रूस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में हैं। हीरे की कटिंग और पॉलिश करने वाले देशों में बेल्जियम, इजरायल, अमेरिका, भारत और चीन प्रमुख हैं जबकि सूरत(भारत), एंटवर्प(बेल्जियम), लंदन, न्यूयार्क और एम्सटर्डम कटिंग और पॉलिश करने वाले प्रमुख नगर हैं। विश्व में रफ, कटिंग और पॉलिश किए गए कुल हीरा उत्पादन का 50% से अधिक का कारोबार एंटवर्प (बेल्जियम) से होता है। अमेरिका, जापान, चीन, खाड़ी के देश और भारत में लगभग 70% हीरे के आभूषणों की बिक्री होती है।

भारत में हीरे की स्थिति

- भारत में रफ हीरे का उत्पादन नही के बराबर होता है। लेकिन भारत हीरे की कटिंग और पॉलिश का प्रमुख केन्द्र है जहां विश्व के 15 रफ हीरे में से 14 की पॉलिश होती है। भारत में सूरत हीरे की कटिंग और पॉलिश का प्रमुख केन्द्र है। भारत के हीरा कारोबार में सूरत की हिस्सेदारी 85% से अधिक है।
- भारत विश्व में हीरे का तीसरा बड़ा उपभोक्ता है जिसकी बाजार में हिस्सेदारी 8% है। कुल हीरा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 16.7% है।
- भारत के रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के अनुसार भारत कुल आयातित रफ हीरे का 95% निर्यात कर देता है। परिषद के अनुसार इस वर्ष भारत के रत्न और आभूषण निर्यात में दोहरे अंकों की प्रतिशतता में वृद्धि होने का अनुमान है। भारतीय मैनुफैक्चरिंग की उच्च गुणवत्ता और अमेरिकी एवं यूरोपीय बाजारों में रिकवरी से निर्यात में वृद्धि होने की उम्मीद है।
- रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद फिलहाल पॉलिश किए हुए हीरे पर आयात शुल्क को 2.5% से बढ़ाकर 5% किए जाने के सरकारी फैसले को वापस लेने के लिए दबाव डाल रहा है।
- विश्व में हीरे की सबसे बड़ी उत्पादक कंपनी डी बीयर्स के अनुसार डॉलर के मुकाबले रूपये की अस्थिरता के बावजूद भारत में हीरे की खपत में मध्यम से लंबी अवधि में बढ़ोतरी का अनुमान है।
- भारतीय कमोडिटी एक्सचेंज (ICEX) ने सूरत में हीरे की ग्रेडिंग और पैकिंग के लिए डी बीयर्स की 100% सहायक इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डायमंड ग्रेडिंग एंड रिसर्च से समझौता किया है।

नवीनतम खबरें

डी बीयर्स की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार 2017 में विश्व स्तर पर हीरे की खपत 2.2% बढ़कर 82 बिलियन डॉलर की हो गई, जो यदि अमेरिका एवं चीन का व्यापार युद्ध और विश्व स्तर पर करेंसियों में मौजूदा अस्थिरता से मांग बाधित नही होती है तो 2018 में भी इसी रफ्तार से बढ़ती रह सकती है । 2017 में उपभोक्ता मांग में 2.5% कर गिरावट हुई है ।

डी बीयर्स ने 2017 में 33.5 मिलियन कैरट रफ हीरे का उत्पादन किया है। इस वर्ष लक्ष्य 34-36 मिलियन कैरट उत्पादन का है। डी बीयर्स अगले पांच से सात वर्षो में हीरे के उत्पादन पर 10 बिलियन डॉलर निवेश कर रहा है।

Vandana Bharti	Assistant Vice President	vandanabharti@smcindiaonline.com
Sandeep Joon	Sr. Research Analyst	sandeepjoon@smcindiaonline.com
Subhranil Dey	Sr. Research Analyst	subhranildey@smcindiaonline.com
Shivandand Updadhyay	Content Editor (Hindi)	shivandand@smcindiaonline.com

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, **ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।**

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।